Prepzy
Hindi :

Table of Contents

1. कवयित्री से परिचय
2. मीरा के पद

कवयित्री से परिचय

यह रचना लगभग 500 वर्ष पूर्व हिंदी की महान कवयित्री , कृष्ण भक्त और संत मीरा द्वारा रची गई थी। मीरा बचपन से ही भगवान कृष्ण की गहरी भक्ति में लीन थीं। एक राजकुमारी होते हुए भी उन्होंने सांसारिक जीवन त्यागकर संतों का जीवन अपनाया। महलों को छोड़कर तीर्थों की यात्राएँ कीं और मंदिरों में भजन गाया। उनके भजन आज भी श्रद्धा और प्रेम से गाए जाते हैं।

Prepzy



□□□□□ □□□□□

- □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□
- □□□ □□□□ □□ □□□
- □□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□

पाठ्य प्रमाण

"मीरा बचपन से ही कृष्ण की भक्ति में मगन रहती थीं।"

अभ्यास प्रश्न

- मीरा ने महलों को क्यों त्याग दिया?
- मीरा की भक्ति का मुख्य कारण क्या था?

उत्तर कुंजी

- उन्होंने सांसारिक जीवन छोड़कर संत जीवन अपनाया।
- भगवान कृष्ण के प्रति गहरी भक्ति।

Prepzy

शब्दावली

- कवयित्री - महिला कवि
- भक्ति - ईश्वर के प्रति प्रेम और समर्पण
- संत - धार्मिक व्यक्ति

मीरा के पद

मीरा के पद उनकी भक्ति और प्रेम की अभिव्यक्ति हैं। ये पद भगवान कृष्ण के प्रति उनकी गहरी श्रद्धा को दर्शाते हैं। पदों में प्राकृतिक छवियाँ और भक्ति रस का सुंदर मिश्रण मिलता है।

मुख्य बिंदु

- भक्ति रस की प्रधानता

- प्राकृतिक छवियों का उपयोग
- मीरा के प्रभु के प्रति प्रेम

पाठ्य प्रमाण

"बसो मेरे नैनन में नंदलाल।"

"बरसे बदरिया सावन की, सावन की मन भावन की।"

हल किए गए उदाहरण

पद्यांश "बसो मेरे नैनन में नंदलाल" में मीरा अपने प्रभु कृष्ण को अपनी आँखों में बसाने की इच्छा व्यक्त करती हैं। यह भक्ति की गहराई को दर्शाता है।

Prepzy

अभ्यास प्रश्न

- मीरा के पदों में भक्ति का क्या स्थान है?
- प्राकृतिक छवियाँ पदों में कैसे प्रस्तुत की गई हैं?
- मीरा के प्रभु के प्रति प्रेम का उदाहरण दीजिए।

उत्तर कुंजी

- भक्ति पदों का मुख्य भाव है।
- सावन की बारिश, शीतल पवन जैसी छवियाँ पदों को जीवंत बनाती हैं।
- "मीरा के प्रभु संतन सुखदाई, भक्त वछल गोपाल" पंक्ति प्रेम को दर्शाती है।

शब्दावली

- नंदलाल - भगवान कृष्ण का एक नाम
- सावन - वर्षा ऋतु

- [illegible] - [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]



